

नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR



ग्रामीण विकास,
पंचायती राज और खान मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT,
PANCHAYATI RAJ AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI



संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष है कि विश्व हिन्दी परिषद नई दिल्ली में 10 जनवरी, 2018 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन करने जा रही है। इस अवसर पर स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

मुझे ज्ञात है कि विश्व हिन्दी परिषद, विश्व में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और इसे उचित सम्मान दिलाने हेतु अथक प्रयास करती रही है। हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने, इसे जन-जन के मन-मस्तिष्क व हृदय पटल पर स्थापित करने और भावनात्मक निकटता बढ़ाने हेतु यह परिषद विगत कई वर्षों से हिन्दी दिवस का आयोजन करती आ रही है। परिषद द्वारा आयोजित विश्व हिन्दी दिवस समारोह के दौरान अनेक हिन्दी प्रेमियों, साहित्यकारों, लेखकों, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ अधिकारियों को अपने विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्राप्त होगा। वस्तुतः विश्व हिन्दी परिषद ने अपने उद्भव के बाद अल्पकाल में ही विश्व स्तर पर जनमानस एवं प्रबुद्धजनों के बीच व्यापक लोकप्रियता और प्रतिष्ठा अर्जित की है।

हिन्दी विश्व के कई देशों और विशेष रूप से दक्षिण एशिया क्षेत्र में व्यापक रूप से बोली और समझी जाने वाली भाषा है। अतः हिन्दी भाषा का प्रचार और प्रसार इस प्रकार करना होगा कि इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति के समस्त तत्वों को भली-भांति अभिव्यक्त किया जा सके। मातृभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग न केवल देश की गरिमा व स्वाभिमान को और बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि हमें देश-विदेश के जन-जीवन के और निकट पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएगा। आज हिन्दी राजभाषा ही नहीं, विश्वभाषा बनने का गौरव प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है और इसका मुख्य आधार है - इस भाषा की मधुरता, सरलता, सरसता और सहजता। मुझे विश्वास है कि विश्व हिन्दी परिषद विश्व मंच पर राष्ट्रभाषा हिन्दी की गरिमा बढ़ाने और इसे विश्व भाषा के रूप में प्रतिस्थापित कराने के अपने मिशन में कामयाब होगी।

मैं विश्व हिन्दी परिषद के हिन्दी दिवस समारोह और इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका की सफलता की कामना करता हूँ।

(नरेन्द्र सिंह तोमर)